□□□□ □□□□□
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

□□□ □□□

□□□□र्□□□ प्रश्न □ख□□ : 491

26 □□□□, 2019 □□ □□□□□□□□□□□□□प्रश्न □□ □त्त□

प्रधान मंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान

*491. डॉ॰ संजय जायसवालः

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने को कृपा करगे किः

(क) क्या सरकार को यह अवगत है कि प्रधान मंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) के अंतगत अनेक निजी मेडिकल प्रैक्टिस करने वाले अपने स्वयं के क्लीनिकों/नर्सिग होम म प्रत्येक माह म एक बार गभवती महिलाओं को निःशुल्क जांच और निःशुल्क उपचार प्रदान करके अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे ह;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी जिला, राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;
(ग) राजस्थान विशेषकर उदयपुर जिले म उक्त योजना से अब तक लाभान्वित हुई महिलाओं को संख्या कितनी है;
(घ) सरकार द्वारा ऐसे निजी मेडिकल प्रैक्टिस करने वालों को सम्मानित करने हेतु क्या उपाय किये जा रहे ह ताकि ऐसी सेवाएं प्रदान करने हेतु अधिक से अधिक मेडिकल प्रैक्टिस करने वालों को प्रोत्साहित किया जा सके; और
(ङ) क्या सरकार का उक्त योजना के अंतगत और अधिक संख्या म कृषक परिवारों को सम्मिलित करने हेतु कोई नये कदम उठाने का विचार है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहों, तो इसके क्या कारण ह?

□त□□
स□□स्थ्य और परिवार कल्या□ □त्री□ (□□. □□ □□□)

(क) से (ङ): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

f□□□□ 26 □□□□, 2019 को पूछे जाने वाले लोक सभा तारांकित प्रश्न □□491 □□
□त□□ □' □□ले□□□□ □□□□□

(क): प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसए) सभी गभवती महिलाओं को सावभौमिक रूप से प्रत्येक माह को 9 तारीख को निर्धारित दिन पर सुनिश्चित, व्यापक और गुणवत्तापूण प्रसव-पूव स्वास्थ्य परिचया प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रारंभ किया गया है।

निजी क्षेत्र म कायरत प्रसूति और स्त्री रोग (ओबीजीवाई) विशेषज्ञों/ रेडियोलॉजिस्टों/ चिकित्सकों को अभियान म स्वेच्छा से भाग लेने और प्रत्येक माह 9व दिन नजदीको सरकारी स्वास्थ्य सुविधा कद्रों म स्वैच्छिक सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। निजी क्षेत्र के चिकित्सकों के अलावा, सरकारी क्षेत्र के चिकित्सक भी गभवती मिहलाओं का प्रसव पूव चेकअप करने के लिए पीएमएसएमए के अंतगत अपनी सेवाएं दे रहे ह।

(ख): निजी चिकित्सक निम्नलिखित म से किसी भी तंत्र के माध्यम से इस अभियान के लिए पंजीकरण करा सकते ह:

- टोल फ्री नंबर- चिकित्सक पंजीकरण के लिए 18001801104 पर कॉल कर।
- एसएमएस- चिकित्सक 5616115 पर पीएमएसएमए <नाम> पर एसएमएस कर सकते ह।
- पीएमएसएमए पोटल- www.pmsma.nhp.gov.in पर पंजीकरण कर।
- मोबाइल एप्लीकेशन के भाग 'स्वैच्छिक पंजीकरण' का प्रयोग करते हुए पंजीकरण कर।

5799 स्वयंसेवियों (चिकित्सकों) ने देशभर म अभियान के लिए पंजीकरण कराया है। इसके राज्य/ संघ राज्य क्षेत्रवार ब्यौरे अनुलग्नक म दिए गए ह।

(ग): इस कायक्रम के तहत राजस्थान म 19.8 लाख से अधिक प्रसव पूव जांच को गई और उदयपुर म इस कायक्रम के तहत 67600 प्रसवपूव जांच को गई ह।

(घ): राष्ट्रीय प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान 'आई प्लैज फॉर 9' का उपलब्धि पुरस्कार समारोह 29 जून, 2018 को आयोजित किया गया था। कुल 36 निजी क्षेत्र के प्रैक्टिशनरोंको व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किए गए और दो संगठनों नामत: एफओजीएसआई और आईएमए को इस पहल म उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया था। उनको भागीदारियों को मान्यता देने के लिए एक वचुअल 'हाल ऑफ फेम' https://pmsma.nhp.gov.in/hall-of-fame-2/ भी प्रारंभ किया गया है। अनेक राज्यों जैसे मध्य प्रदेश, छत्तीएगढ़, हरियाणा, राजस्थान आदि ने भी निजी क्षेत्र के प्रैक्टिशनरों को पीएमएसएमए म उनके योगदान के लिए पुरस्कृत किया है।

(ङ): कृषक परिवारों को गभवती महिलाओं समेत सभी गभवती महिलाएं पीएमएसएमए के तहत सेवाएं प्राप्त करने को हकदार ह। अधिक से अधिक गभवती महिलाओं को पीएमएसएमए सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर सूचना शिक्षा संचार (आईईसी) अभियान नियमित रूप से चलाए जाते ह। गभवती महिलाओं को अपने नजदीको पीएमएसएमए सुविधा कद्रों को ढूंढने म मदद करने के लिए एक मोबाइल और वेब आधारित एप्लिकेशन बनाई गई है। इस सेवा तक पहुंचने के लिए, गभवती महिलाएं https://pmsma.nhp.gov.in/or को देख सकती ह या 'पीएमएसएमए'मोबाइल एप्लिकेशन को डाउनलोड कर सकती ह।

राज्य	[illegible] स्वयंसेवियों (चिकित्सकों) को कुल संख्या
अंडमान व निकोबार द्वीप समूह	4
आंध्र प्रदेश	145
अरुणाचल प्रदेश	2
असम	92
बिहार	279
चंडीगढ़	5
छत्तीसगढ	271
दादरा और नागर हवेली	8
दमन और दीव	0
दिल्ली	145
गोवा	8
गुजरात	371
हरियाणा	312
हिमाचल प्रदेश	16
जम्मू और कश्मीर	23
झारखंड	120
कनाटक	394
केरल	79
लक्षद्वीप	0
मध्य प्रदेश	714
महाराष्ट्र	786
मणिपुर	18
मेघालय	5
मिजोरम	9
नागालड	1
ओडिशा	188
पुद्दुचेरी	7
पंजाब	101
राजस्थान	728
सिक्किम	11
तमिलनाडु	79
तेलंगाना	49
त्रिपुरा	15
उत्तर प्रदेश	654
उत्तराखंड	36
पश्चिम बंगाल	124
कुल	5799

*****